मुकुन्दपुर चौक पर हिजड़ी ने मेरा लंड चूसा

“दिल्ली में रात को रेड लाइट होते ही गाड़ी रुकती
तो हीजड़े ताली बजाकर पैसे मांगते हैं, कुछ रूपयों में
गांड भी मरवाते हैं। ऐसी ही मेरी सेक्स कहानी है
सड़क पर लंड चुसवाने की !...”

Story By: राज हुडा (raj107)
Posted: गुरूवार, मई 11th, 2017
Categories: कोई मिल गया
Online version: मुकुन्दपुर चौक पर हिजड़ी ने मेरा लंड चूसा

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मुकुन्दपुर चौक पर हिजड़ी ने मेरा लंड चूसा

नमस्कार दोस्तो, मैं राज रोहतक वाला आज आपको एक मजेदार घटना बताऊंगा लेकिन इससे पहले मैं अन्तर्वासना का धन्यवाद करता हूँ कि मेरी कहानियाँ आपके सम्मुख प्रस्तुत की !

मित्रो, मेरी हर कहानी सच है लेकिन मैं शायद अच्छे से नहीं लिख पाया। समय भी इसकी बड़ी वजह है।
इस कहानी के बाद एक कहानी और है मेरी क्योंकि थोड़े समय पहले ही उसकी शादी हुई है और उसके साथ एक बार और मिलन के बाद आपके सामने प्रस्तुत करूंगा !

मित्रो, फिर प्रार्थना करता हूँ कृपया किसी औरत या लड़की का पता या नंबर ना मागें, मैं बस आपका मनोरजंन और अपनी बात शेयर कर रहा हूँ और यह बात मेरे सबसे अच्छे मित्र को भी नहीं पता क्योंकि मेरे लिए किसी का भरोसा पहले है मित्रता बाद में !
अब आप कहानी का आनन्द लीजिए।

बात दिसम्बर 2014 की है, मैं जहांगीरपुरी दिल्ली में नौकरी करता था। हालांकि मैंने वो नौकरी बस दो महीने ही की थी।
वहाँ मुकुन्दपुर चौक के पास कम्पनी का कार्यालय था। जाहिर है चौक है तो रेड लाइट भी होगीं !

तो वहां चौक पर शाम के 8 बजते ही हिजड़े आने लगते थे क्योंकि रात 9 बजे के बाद दिल्ली में ट्रकों का प्रवेश शुरू हो जाता है और चौक पर रेड लाइट होते ही गाड़ी रुकती तो ये ताली बजाकर पैसे मांगते हैं ! कुछ रूपयों में गांड भी मरवाते हैं।

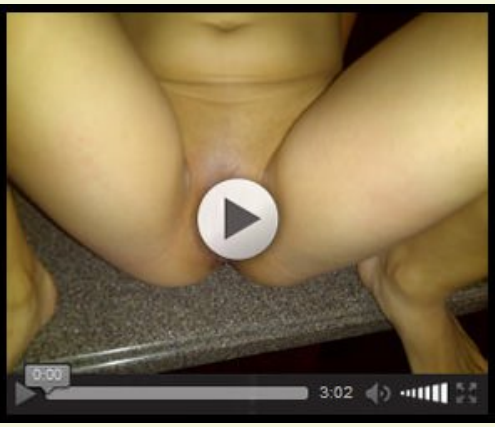

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जब मैं नया नया नौकरी करने लगा था तो मुझे इन हिजड़े हिजड़ी के बारे में कुछ नहीं पता था, एक दोस्त ने बताया, तब पता चला मुझे !
वहाँ एक सप्ताह दिन और एक सप्ताह रात की ड्यूटी लगती थी मेरी… तो मैं रात की ड्यूटी पर था। मेरा एक दोस्त था उतर प्रदेश का विक्की, वो भी रात की ड्यूटी पर था, वो मेरे पास आया और बोला- चल यार, चौक पर चलते हैं, कुछ देर वहाँ काम देख कर आते हैं।
क्योंकि हमारी कम्पनी के पास रोड के ऊपर एलिवेटिड रोड बनाने का ठेका था तो हम चौक पर चले गए। वहाँ मैंने देखा कि रोड के पास कोई आदमी एक औरत की चुची दबा रहा था और वो औरत उसको मना नहीं कर रही थी।
मैंने सोचा रंडी है कोई !

तो मैंने अपने दोस्त को बोला- यार दिल्ली में तो बहुत खुलापन है सरेआम रोड पर ये काम करते हैं और पास में पुलिस है पर कुछ नहीं करती।
वो बोला- यार ये हिजड़ी है, यही काम करने आती है ! थोड़ी देर बाद देखना, इनकी गुरू आएगी, बड़ी सुन्दर है लेकिन वो गांड नहीं मरवाती ! और रही पुलिस की बात, तो पुलिस वाले भी इनका मजा लेते हैं !

फिर हम बात करते करते मुकुन्दपुर गांव में चले गए, वहाँ कमरे लेना था मुझे तो वहाँ कुंवारे को बहुत कम कमरा देते थे, एक दो जगह कमरा देखा तो मकान मालिक बोल :- शादीशुदा को कमरा देंगे हम !
तो हम वापस ऑफिस की तरफ चल पड़े !

हम चौक पर पहुँचे तो वहाँ एक औरत के पास 6-7 आदमी खड़े थे।
विक्की बोला- देख, ये है इनकी गुरू !
मैंने देखा तो वो बिल्कुल नई नवेली दुल्हन की तरह कपड़े पहने हुए थी, होंठों पर लाल

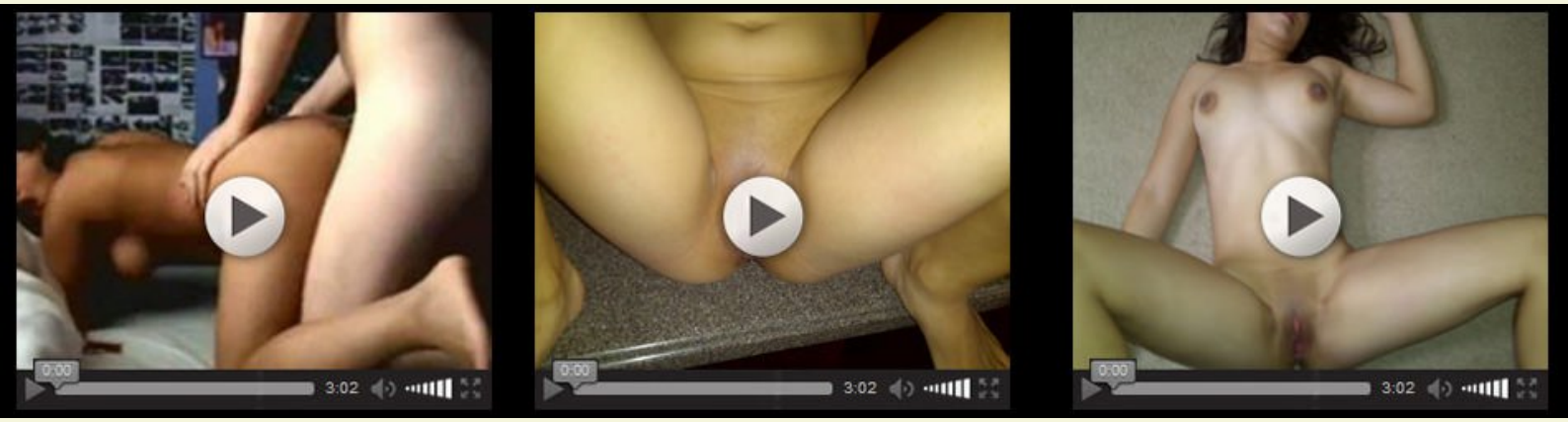

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

लिपस्टिक बहुत सुन्दर लग रही थी।
उसका नाम आरोही (काल्पनिक) था।

मेरे दोस्त ने मुझसे उससे मिलवाया, वो मेरी तरफ देख कर मुस्कुराने लगी, मैं थोड़ा शरमा गया और मैं ऑफिस की तरफ आ गया!
चौक से हमारा ऑफिस बस 30 मीटर दूर था, एक कैनटेनर को हमने ऑफिस बनाया हुआ था।

रात को 11 बजे मैं ऑफिस से बाहर आया तो देखा आरोही रेड लाइट पर खड़े ट्रक वाले से पैसे मांग रही थी। ग्रीन लाइट होते ही वो साइड में बैठ जाती!

मैं चौक पर चला गया क्योंकि उसके देखने के तरीके से मेरा मन उसके बारे में सोच सोच कर खड़ा हो गया था। मैं चौक पर गया तो वो वहा साइड में बैठी थी, वो फिर देख कर मुस्कुराई, मैं उसके पास बैठ गया और उसके बारे में पूछने लगा।

उसने बताया कि वो बुराडी में रहती है और बुराडी उनकी कालोनी है जहाँ सभी उनके जैसी रहती हैं!
फिर उसने मेरे बारे में पूछा तो मैंने भी बताया कि रोहतक से हूँ।

फिर रेड लाइट हो गई तो वो बोली- अभी आई!
और वहाँ जो गाड़ी रूकी उनसे ताली बजा कर रूपये मांगने लगी।

वो ग्रीन लाइट होते ही मेरे पास आ गई और फिर मेरी ओर लगातार देखते हुए मुस्कुराई। मेरे तो बदन में वासना की वजह से कंपकपी चढ़ने लगी, मैंने धीरे से उसके गालों पर हाथ फेर दिया, वो कुछ नहीं बोली!

डर तो मुझे लग रहा था कि क्या पता ये गुस्सा हो जाए लेकिन वो कुछ नहीं बोली तो मैंने

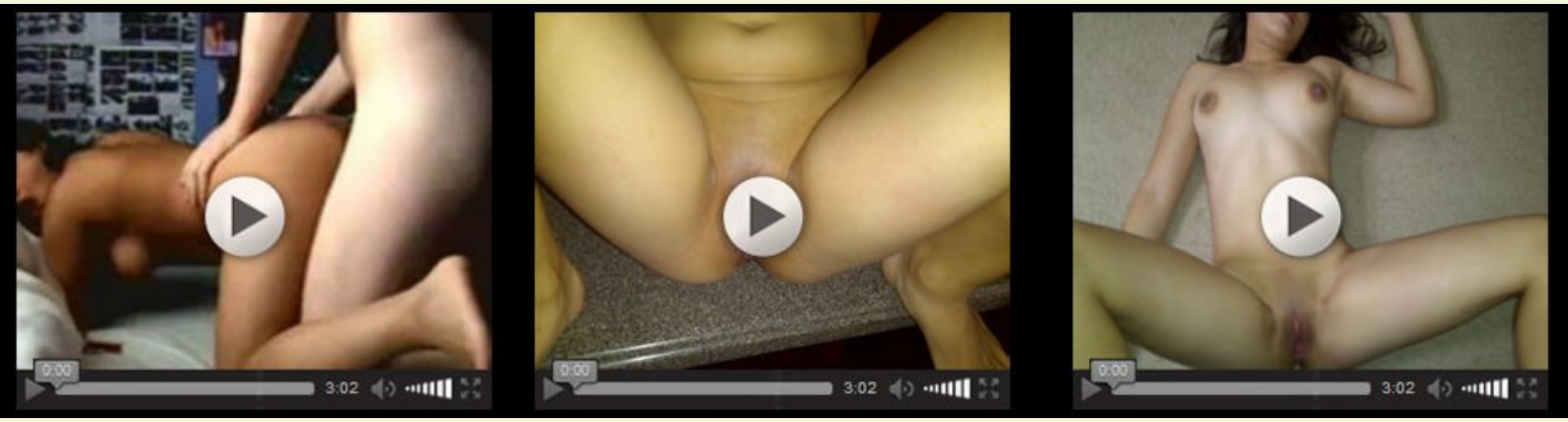

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

उसे अपने और पास आने को कहा। वो बिल्कुल मेरे पास आ गई तो मैंने उसके गालों को चूम लिया!
वो बोली- बाबू, आप मेरे बायफ्रेंड बन जाओ।

मैं हैरान होकर बोला- तुम्हारे भी बॉयफ्रेंड होते हैं?
तो वो बोली- हाँ मुझे छोड़कर सबके बॉयफ्रेंड है, वहां ये खूब गांड मरवाती हैं अपने फ्रेंड से!

उसके खुल के बोलने से मैं भी खुल के बात करने लगा, उससे पूछा कि तुमने गांड नहीं मरवाई है क्या?
तो वो बोली- नहीं बाबू…
और उसकी आँखें भर आई, बोली- एक बार मेरे बॉयफ्रेंड बन कर मेरे घर चलो, देखना सब जलेंगी तुम्हें देख कर!
मैं बोला- ठीक है देखता हूँ कभी!
और मैंने धीरे से उसकी चुची को हाथ लगाया तो वो बोली- बाबू, डरते क्यों हो? मन भर कर दबाओ और चूसो क्योंकि तुम मेरे बॉयफ्रेंड जो हो!
और हंसने लगी!

फिर रेड लाइट हो गई लेकिन वो उठी नहीं, मैं बोला- जाओ गाड़ी रूकी हुई है।
वो बोली- नहीं बाबू, बस अब आपसे ही बात करके अपने कमरे पर चली जाऊँगी।
यह हिंदी सेक्स की कहानी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

तो मैंने उसे बाहों में ले लिया लेकिन होंठ नहीं चूसे उसके क्योंकि मेरे मन में अलग महसूस हो रहा था। वो बार बार कोशिश कर रही थी होंठ चूसने की लेकिन मैं मुंह घुमा लेता!

अब मेरा लंड दुखने लगा क्योंकि जींस की पैंट में कैद जो था। मैंने उसे बाहों से आजाद

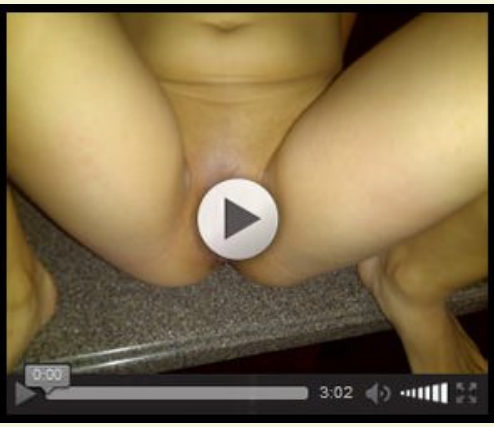

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

किया और कहा- रुक!
और पैंट की चैन खोलकर लंड निकाल दिया।

आरोही लंड देख मुस्कुराने लगी और खड़ी होकर लंड पर बैठकर हल्का हल्का हिलने लगी!
मैं वासना में अंधा हो गया था, मैं बोला- चूस ले इसको!
बस कहने की देर थी… वो बोली- बॉयफ्रेंड बन गए हो अब तो जो कहोगे, करूँगी।

वो उठ कर पास बैठ गई और घुटने मोड़ कर लंड चूसने लगी, मैं उसकी चुची मसलने लगा। वो पूरा अन्दर लेती और रूक जाती, मैं तो आनन्द की लहरों में डूब गया था। मैं फिर उसका सिर पकड़ कर दबाने लगा, मेरी आवाज कांपने लगी उम्म्ह… अहह… हय… याह… क्योंकि मैं चरम पर पहुँचने वाला था।

मैंने उसे रोका और कहा- आरोही, गांड में डलवा लोगी?
उसने मेरी तरफ देखा और बोली- बहुत दर्द होगा और निरोध नहीं है कल तुम्हें गांड भी दूँगी।

तो मैंने कहा- झुक जाओ, कपड़ों के ऊपर से ही हिला कर माल निकाल दूँगा।
वो झुक गई और मैं उसके कपड़ों में ही गांड पर लंड हिलाने लगा, वो भी चूतड़ों को हिला कर मजा दे रही थी।

बस थोड़ी देर में मेरे लौड़े ने माल उगल दिया। फिर मैं पीछे से हट गया और आरोही खडी हो गई और लंड पौंछने लगी।
फिर वो बोली- अब मैं घर जाती हूँ!
मैंने गुड नाइट कह कर उसके गाल चूम लिए, फिर वो चली गई और मैं भी अपने ऑफिस आ गया।

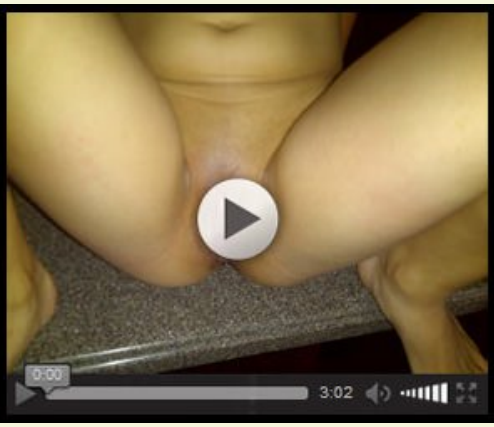

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दोस्तो यह थी मेरी सेक्स कहानी… बताना जरूर कि कैसी लगी !

rajhooda48@gmail.com

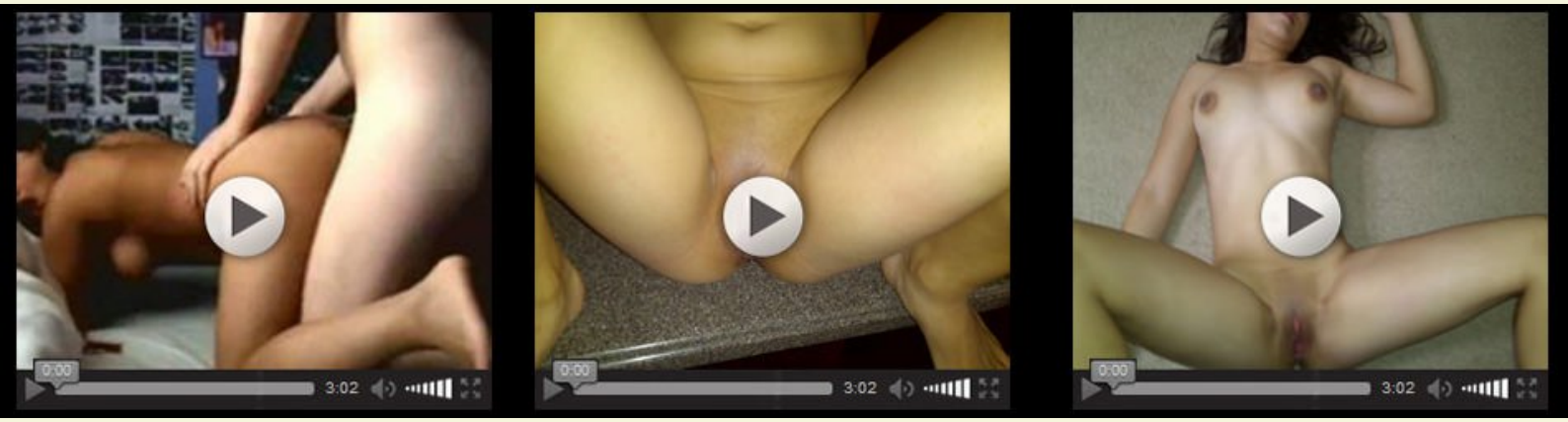

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

Kambi Malayalam Kathakal

Large Collection Of Free Malayalam Sex Stories & Hot Sex Fantasies.

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Kinara Lane

A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire